2 बिना मात्रा वाले शब्द

ब + स = बस

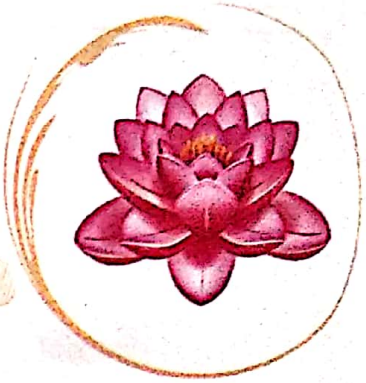

क + म + ल = कमल

ब+र+ग+द = बरगद

थ+र+म+स = थरमस

जल	घर	छत	नल	हल
कलम	सड़क	मटर	नगर	शहर
अचकन	पनघट	बरतन	नटखट	सरपट

बोलकर पढ़िए और समझिए–

बहन पथ पर सरपट मत चल। पनघट पर जल भर। चखचख मत कर। झटपट बस पर चढ़। नटखट नमन कलम उधर रख। तखत पर थरमस रखकर इधर चल।

Scanned with CamScanner

3 आओ, मात्राएँ जानें

'अ' की मात्रा (अ)

स्वर 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती लेकिन यह हर व्यंजन में छिपा होता है। क, ख, सभी में 'अ' छिपा है।

जैसे– क् + अ = क, ख् + अ = ख,

○ 'अ' के बिना व्यंजन ('क' आदि) के नीचे हलंत (्) का चिह्न लगाया जाता है।

'आ' की मात्रा (ा) वाले शब्द

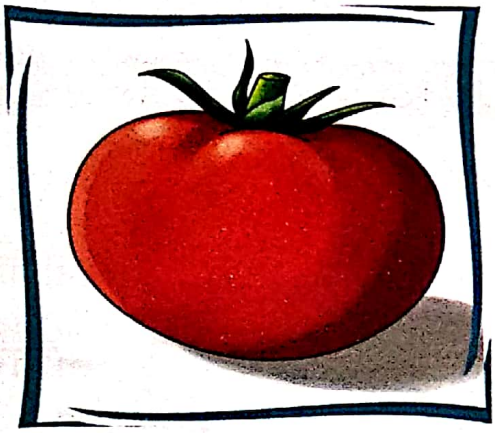

ट्+अ+म्+ा+ट्+अ+र्+अ = ट+मा+ट+र = टमाटर आ+म्+अ = आ+म = आम

'आ' की मात्रा वाले शब्द– (पढ़ें और उच्चारण करें)

माला	काला	ताला	भाला
कान	पान	राम	काम
दावत	बाहर	गागर	सागर

Scanned with CamScanner

('इ' की मात्रा (ि) वाले शब्द)

क्+ि+त्+ा+ब्+अ = किताब

स्+ि+त्+ा+र्+अ = सितार

'इ' की मात्रा वाले शब्द– (पढ़ें और उच्चारण करें)

मिल	खिल	दिल
पिला	हिला	किला
तकिया	सविता	किरन
झिलमिल	रिमझिम	टिकटिक

कविता को बोलकर पढ़िए–

मेरी दीदी, सविता दीदी।
सबसे अच्छी, दिल की सच्ची,
सबकी इज्जत करती दीदी।
सितार बजाती गिटार बजाती,
जब भी आती मिठाइयाँ लाती।
खुशियाँ है फैलाती दीदी,
सबसे प्यारी मेरी दीदी।

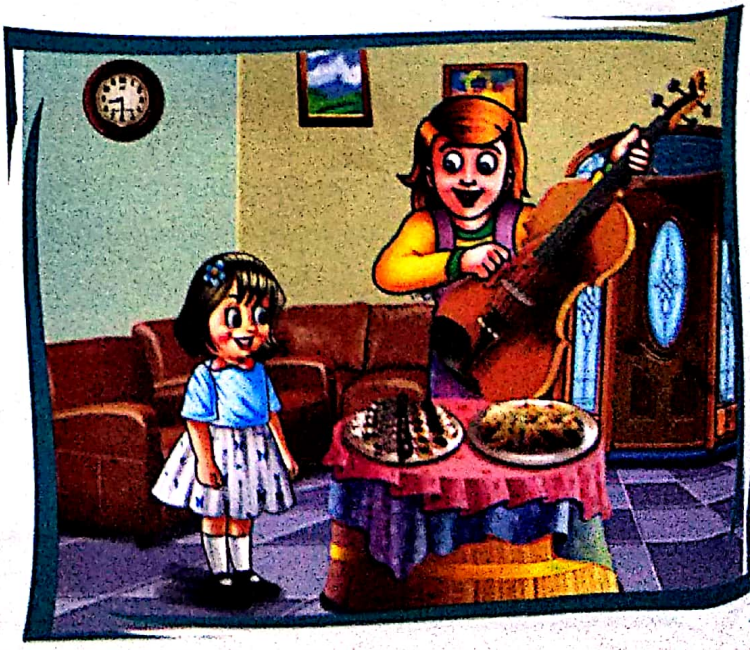

Scanned with CamScanner

('ई' की मात्रा (ी) वाले शब्द)

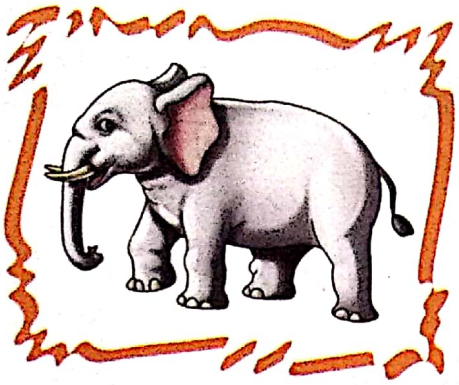

ह्+ा+थ्+ी = हाथी

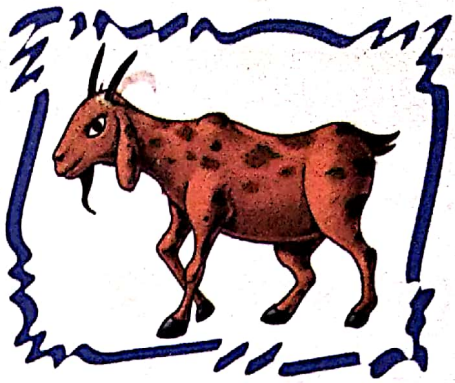

ब्+अ+क्+अ+र्+ी = बकरी

'ई' की मात्रा वाले शब्द– (पढ़ें और उच्चारण करें)

माली	थाली	पानी
नीर	तीर	वीर
पनीर	शरीर	नकली
महीना	नगीना	पसीना

कविता को बोलकर सुनाइए–

पंख होते अगर तितली जैसे,
दूर गगन में उड़ जाती मैं।
हर उपवन में उड़कर जाती,
फूलों का रस ले आती मैं।
मम्मी पापा की मैं प्यारी,
तितली से भी प्यारी हूँ।
राजकुमारी से भी बढ़कर,
उनकी राजदुलारी हूँ।

Scanned with CamScanner

4 विनती (प्रार्थना)

प्रतिध्वनि

देशप्रेम से बड़ा कोई प्रेम नहीं है।

विनती सुन लो हे भगवान!
हम सब बालक हैं नादान।

हाथ जोड़कर हम सब करते,
रोज़ तुम्हारा ही गुणगान।

वीर बनें हम, धीर बनें हम,
पढ़-लिखकर हम बनें महान।

करें सदा भारत की सेवा,
दो हमको ऐसा वरदान।

जीवन मूल्य : हमें बड़े होकर अपने देश की सेवा करनी चाहिए।

शब्दार्थ

विनती – प्रार्थना		गुणगान – गुणों का बखान	
नादान – नासमझ		सदा – हमेशा	
रोज़ – प्रतिदिन		महान – बहुत बड़ा	